श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीपार्थसारथिदासेन कृतं

॥ श्रीपद्मावतीदेवीसमेत श्रीनिवाससुप्रभातम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीपद्मावतीदेवीसमेत श्रीनिवाससुप्रभातम् ॥

नमामि पद्मापतिपादपङ्कजं
करोमि पद्मापतिपूजनं सदा।
वदामि पद्मापतिनाम सुन्दरं
भजामि कल्याणपुराधिपं सदा॥ 1 ॥

गोविन्द गोपाल सुरेशवन्द्य
दीनार्तिहारिन् भगवन् मुकुन्द।
श्रीनाथ कल्याणपुराधिराज
कारुण्यमूर्ते तव सुप्रभातम्॥ 2 ॥

सर्वज्ञ सर्वप्रद सर्वशेषिन्
स्वामिन् हयग्रीव पतङ्गकेतो।
कंसघ्न कल्याणपुराधिराज
कल्याणमूर्ते तव सुप्रभातम्॥ 3 ॥

समाश्रितानामभयप्रदातः
सर्वान्तरात्मन् सकलाधिनाथ।
लोकेश कल्याणपुराधिवासिन्
अनादिमूर्ते तव सुप्रभातम्॥ 4 ॥

चक्रादिरेखाङ्कितपादपद्म
प्रसन्न नारायण देवदेव।
चैद्यघ्न कल्याणपुराधिराज
हे विश्वमूर्ते तव सुप्रभातम्॥ 5 ॥

विष्णो हृषीकेश विभो मुरारे
    श्रीकृष्ण पद्माक्ष हरे नृसिंह।
श्रीराम कल्याणपुराधिराज
    हे चक्रपाणे तव सुप्रभातम्॥ **6** ॥

वैकुण्ठ दामोदर विश्वगोप्तः
    भूमीश नीळाप्रिय खड्गपाणे।
लक्ष्मीश कल्याणपुराधिराज
    हे पूतनारे तव सुप्रभातम्॥ **7** ॥

उपेन्द्र कल्किन् कमठस्वरूप
    सहस्रबाहो वसुदेवसूनो।
अनन्त कल्याणपुराधिराज
    हे लोकबन्धो तव सुप्रभातम्॥ **8** ॥

अनन्तकल्याणगुणाभिराम
    सुवर्णनद्यास्तटनित्यवास।
गोदेश कल्याणपुराधिराज
    कौन्तेयबन्धो तव सुप्रभातम्॥ **9** ॥

ब्रह्मर्षिरुद्रार्चितपादपद्म
    गजेन्द्रमोक्षप्रद शेषशायिन्।
पद्मेश कल्याणपुराधिराज
    शेषाद्रिवासिन् तव सुप्रभातम्॥ **10** ॥

त्रिलोकनाथाच्युत कैटभारे
    यथोक्तकारिन् प्रणवस्वरूप।
काकुत्स्थ कल्याणपुराधिराज
    चन्द्रार्कचक्षुस्तव सुप्रभातम्॥ **11** ॥

हे वीर सत्यव्रत पार्थसूत
हे पुण्डरीकाक्ष मनोभिराम।
श्रीकान्त कल्याणपुराधिराज
कोदण्डपाणे तव सुप्रभातम्॥ **12** ॥

प्रतप्तचामीकरतुल्यतेजः
हेमाब्जदेवीप्रिय शौरिराज।
मधुघ्न कल्याणपुराधिराज
सप्ताद्रिवासिन् तव सुप्रभातम्॥ **13** ॥

सीतासमालिङ्गित सुन्दराङ्ग
सूर्यान्वयालङ्कृतिरत्न राम।
खरघ्न कल्याणपुराधिराज
हे ताटकारे तव सुप्रभातम्॥ **14** ॥

श्रीखण्डनक्षेत्रसमीपवासिन्
गोवर्द्धनोद्धारक नन्दसूनो।
हे नाथ कल्याणपुराधिराज
हे दीनबन्धो तव सुप्रभातम्॥ **15** ॥

हृत्पद्ममध्ये कृतनित्यवास
द्युराजपुत्रीप्रिय मेघवर्ण।
हे शूर कल्याणपुराधिराज
हे स्तम्भसूनो तव सुप्रभातम्॥ **16** ॥

क्षीराब्धिमध्ये श्रितभोगतल्प
लक्ष्म्या समासेवितपादपद्म।
हे देव कल्याणपुराधिराज
कोट्यर्ककान्ते तव सुप्रभातम्॥ **17** ॥

पद्मावतीरमण मत्स्य वराहरूपिन्
स्वामिन् त्रिविक्रम विभो जितजामदग्न्य।
श्रीरङ्गनाथ मम दशास्यहन्तः
कल्याणपत्तनपते तव सुप्रभातम्॥ **18**॥

श्रीवेङ्कटेश पुरुषोत्तम शार्ङ्गपाणे
वक्षस्स्थकौस्तुभमणे धृतपाञ्चजन्य।
वैडूर्यरत्नमणिमौक्तिकहारधारिन्
कल्याणपत्तनपते तव सुप्रभातम्॥ **19**॥

प्रभुं शम्पुरीशं विना यो न नाथः
सदा शम्पुरीशं भजामि स्मरामि।
हरे शम्पुरीश प्रसीद प्रसीद
प्रभो शम्पुरीश प्रयच्छ प्रियं त्वम्॥ **20**॥

एतानि कल्याणपुरेश्वरस्य
नामानि भक्तप्रियदायकानि।
भक्त्या पठन्तस्सकलार्थसिद्धिं
अत्युत्तमं मोक्षपदं भजन्ति॥ **21**॥

॥ इति श्रीपद्मावतीदेवीसमेत श्रीनिवाससुप्रभातं समाप्तम्॥